रक्षा कमानी केजरीवाल

करिअर विशेषज्ञ व सलाहकार कानपुर ने इस बार के जवाब दिये हैं

होनहार विद्यार्थी

समय का सदुपयोग करती हैं नेहा

कक्षा- 11

रामजी लाल पांडेय बालिका इंटर कॉलेज, उरई

उपलब्धियाँ

2008- अंतर स्कूल कला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान
2008- ज़िला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान
2009- नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान
2011- हाई स्कूल की परीक्षा 75.50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण

अतिविश्वास में न रहें

नेहा वर्मा कहती हैं कि अगर छात्र द्वारा बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी एक माह पहले से भी ठीक ढंग से की जाये तो बेहतर परिणाम आ सकते हैं। वह कहती हैं कि साल भर प्रत्येक विद्यार्थी पढ़ता है और परीक्षाओं के दौरान जब वह पढ़ता है तो उसे लगता है कि उसे वह विषय आता है। जबकि ऐसा नहीं होता। मैंने अपने दोस्तों में यह बात देखी है। अतिविश्वास के कारण उनके अच्छे अंक नहीं आते हैं। परीक्षा से पहले के एक माह के समय का अगर हम सही से सदुपयोग करें तो पूरे वर्ष की पढ़ाई को कवर कर सकते हैं।

समय सारणी बनाना ज़रूरी

वह अपने कक्षा 10वीं के पढ़ाई के दिनों को याद कर कहती हैं कि अच्छे अंकों के पीछे सबसे बड़ा योगदान था तो वह मेरी समय-सारणी का था। इसको बनाने में मेरे घर वालों ने भी मेरी मदद की। इसका फ़ायदा ऐसे हुआ कि पढ़ाई, मनोरंजन तथा बाकी समय का सदुपयोग हुआ। इस समय-सारणी की वजह से सब व्यवस्थित हो गया। इस कारण मुझे पढ़ने में कोई समस्या नहीं आयी और मैं अच्छे अंक लेकर पास हुई।

सफल इंजीनियर बनना चाहती हैं

जीवन के शुरुआती दिनों से ही मन में इंजीनियर बनने का सपना बना हुआ है। इस कारण से गणित विषय उनका प्रिय विषयों में से एक है। नेहा अपने दिन के खाली समय में मनोरंजन के साधनों का उपयोग करती हैं। उनको गाने सुनना, कंप्यूटर पर गेम खेलना अत्यधिक पसंद है।

प्रस्तुतिः उपेंद्र शर्मा

लेखन में करिअर

मुझे डायरी लिखना पसंद है। मेरे दोस्त भी कहते हैं कि मुझे लेखन के क्षेत्र में करिअर बनाना चाहिए। कृपया मुझे यह बतायें कि इस क्षेत्र में करिअर की कितनी संभावनाएँ हैं?

सुशांत मिलानी, चंडीगढ़

उत्तर

लेखन के क्षेत्र में आज पैसा और सम्मान दोनों है। हालांकि किसी भी करिअर की तरह लेखन भी एक व्यवसाय है, जहाँ प्रतिस्पर्धा है और अच्छे अवसर मिलना दुर्लभ है। इस क्षेत्र में एक सफल लेखक के लिए आपको प्रेरित, ध्यान केंद्रित और जो आप कर रहे हैं उससे प्यार होना चाहिए। एक लेखक को इसके लिए भी तैयार रहना चाहिए कि उसकी लेखनी को नकारा भी किया जा सकता है। लेखन में करिअर दो तरह से हो सकता है- क्रिएटिव लेखक, इसमें एक रचनात्मक लेखक की मुख्य जिम्मेदारी प्रकाशनों, लिपियों, विपणन सामग्री और समाचार पत्रों के लिए सामग्री का उत्पादन होता है। तकनीकी लेखक जो मैनुअल तौर पर निर्देश, कंप्यूटर और उपकरण पर दस्तावेज तैयार करना आदि होता है। साथ ही वह लेखक जिनके पास तकनीकी डिग्री या डिप्लोमा है और इस क्षेत्र में रुचि रखते हैं। इसमें करिअर बना सकते हैं। इसके अलावा एक लेखक भी संपादक के तौर पर कार्य कर सकता है।

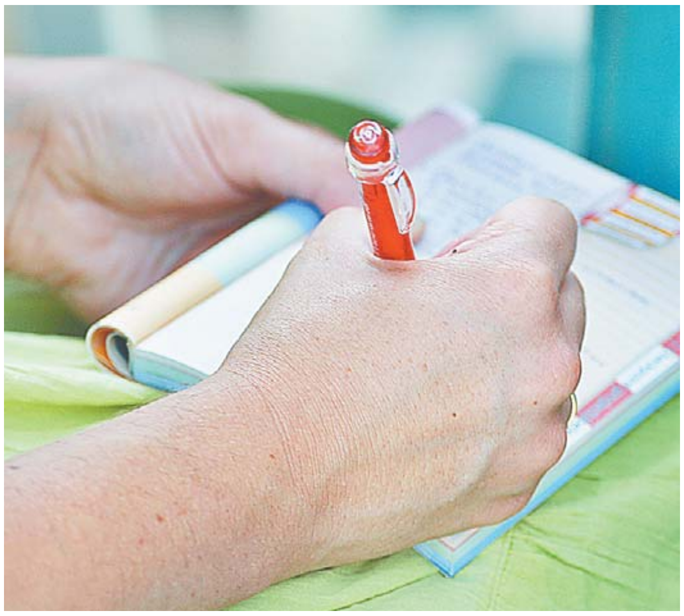

एम.बी.बी.एस. नहीं तो क्या

मैंने पिछले वर्ष एम.बी.बी.एस. में दाख़िले के लिए परीक्षा दी और मेरा चयन नहीं हुआ। इस वर्ष भी परीक्षा देने जा रहा हूँ। मैं यह जानना चाहता हूँ कि चयन न होने पर और क्या विकल्प बचते हैं?

प्रभात चौहान, देहरादून

उत्तर

अपने सपने को पूरा करने के लिए आप एक ही दिशा में और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। क्योंकि इस दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है। आगे बढ़ने के लिए बहुत साफ दृष्टिकोण और इसके लिए मिशन की जरूरत है। ऐसा कई बार होता है कि छात्र पूरी तैयारी करने के बाद भी अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाते हैं। इसके लिए निराश होने की आवश्यकता नहीं है। एक जीव विज्ञान छात्र होने के नाते आप एम.बी.बी.एस. के अलावा बैचलर ऑफ आर्युवेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बी.ए.एम.एस.), बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी(बी.एच.एम.एस.), बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी(बी.डी.एस.), बी.फार्मा, क्लीनिकल रिसर्च तथा बायोटेक्रोलॉजी के क्षेत्र में करिअर बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप उच्च शिक्षा प्राप्त करके शिक्षण के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। फिलहाल आप अपनी तैयारी पर पूरे ध्यान के साथ लगें।

डवलपमेंट जर्नलिज़्म

मैं कक्षा 11 का छात्र हूँ। मेरी अखबार पढ़ने में रुचि बहुत ज़्यादा है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि डेवलेपमेंट जर्नलिज्म के क्षेत्र में करिअर बनाना कैसा रहेगा? इस बारे में जानकारी दें।

राहुल त्रिपाठी, कानपुर

उत्तर

डेवलेपमेंट जर्नलिज्म मानव प्राणियों, व्यक्तियों या पूरे के पूरे एक समाज के विकास के उद्देश्य से संबंधित है। डेवलेपमेंट जर्नलिज्म विकास के मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती है। इससे जुड़े मुद्दों में बाधा, खंडन और एक राष्ट्र के विकास में हस्तक्षेप करना शामिल है। कुछ सबसे प्रमुख मुद्दे चर्चा का विषय रहते हैं जैसे गरीबों की चिंताओं, बेरोजगारी, स्वछता, स्वास्थ, पर्यावरण, बुनियादें ढांचे, लैंगिक मुद्दे, कृषि, सड़क और सुरक्षा, शिक्षा, मानवाधिकार और श्रम के मुद्दों इसमें शामिल हैं। डेवलेपमेंट जर्नलिस्ट बनने के लिए कुछ विशिष्ट योग्यताएं जैसे उत्कृष्ट संचार, अच्छा पारस्परिक कौशल, सामान्य ज्ञान और जागरूक होना जरूरी है। स्नातक स्तर पर आप किसी भी दो विषय के संयोजन से इस कोर्स को चुन सकते हैं। इस क्षेत्र में आप किसी भी पृष्ठभूमि से दाखिला ले सकते हैं। परास्नातक में आप इस क्षेत्र में डिग्री और डिप्लोमा दोनों ले सकते हैं।

फ़ार्मेसी में करिअर

फॉमेसी में करिअर की क्या संभावनाएं है? इस क्षेत्र में करिअर बनाने के लिए कौन से विषयों की एवं कहाँ से पढ़ाई करनी चाहिए

शादाब फ़ातिमा

उत्तर

फार्मेसी में करिअर बनाना हमेशा से एक अच्छा विकल्प है। 12वीं (पी.सी.बी./पी.सी.एम.)पास करने के बाद आप इसकी पढ़ाई कर सकते हैं। इसमें डिप्लोमा कोर्स दो वर्ष का तथा डिग्री कोर्स चार वर्ष की होती है। फार्मेसी में स्नातक करने के बाद एम.फार्मा की पढ़ाई दो वर्ष की होती है। अगर अनुसंधान वैज्ञानिक बनने के लिए फार्मेसी से स्नातक करने के बाद परास्नातक बायोटैक्रोलॉजी से कर सकते हैं। जिनके पास डिप्लोमा है वह तकनीशियन के तौर पर नौकरी पा सकते हैं। स्नातक फार्मास्सिट दवा का व्यापार और अस्पताल में नौकरी का ऑप्शन चुन सकते हैं। साथ ही दवा कंपनियों में निर्माण, विश्लेषण और अनुसंधान जैसे विभागों में नौकरी पा सकते हैं।

बॉयोटेक्नोलॉजी में एम.टेक

मैं जानना चाहती हूँ कि बॉयोटेक्रोलॉजी में एमटेक कैसे किया जा सकता है। कौन-कौन से कॉलेज बेहतर हैं? नौकरी की क्या संभावनाएं होती हैं।

सौम्या अस्थाना, लखनऊ

उत्तर

अगर आप बायोटेक्रोलॉजी के क्षेत्र में करिअर बनना चाहते हैं तो इसके लिए जरूरी है कि आप विज्ञान के क्षेत्र से जुड़ाव रखते हों। इसके लिए 12वीं में भौतिकी और कृषि, रसायन और जीवविज्ञान जैसे विषय होने चाहिए। इसके बाद बी.टेक और एम.टेक कोर्स आप कर सकते हैं। इसके लिए आई.आई.टी. दिल्ली और खड़गपुर ज्वाइंट एंट्रेस एक्जाम(जे.ई.ई.) छात्रों के लिए आयोजित करती है। आई.आई.टी. में दाखिले के लिए जे.ई.ई. की परीक्षा पास करना आवश्यक है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, एम्स, जादवपुर, यूनिवर्सिटी, कोलकाता और अन्ना यूनिवर्सिटी से एकीकृत एम.टेक पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं। इस क्षेत्र में पढ़ाई कर आप अनुसंधान वैज्ञानिक, अध्यापक, क्वालिटी कंट्रोल ऑफिसर, विज्ञान लेखक आदि की नौकरी फूड इंडस्ट्री तथा फार्मा कंपनियों में अच्छे पैकेज के साथ आसानी से पा सकते हैं।